तापमान
अधिकतम 31.4 डिग्री
न्यूनतम 16.6 डिग्री

हरिभूमि बालोद भूमि

रायपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

11 अक्षय तृतीया पर श्री राम मंदिर में राम दरबार का...

12 आपदा प्रबंधन के गुर सीख रहे कॉलेज के रोवर-...

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2026
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
24/04/2026
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

बोहारडीह में गंभीर हुआ जल संकट, पानी के लिए जान जोखिम में डाल रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरूर

ग्राम बोहारडीह में जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी टंकी व पाईप लाईन कार्य अधुरा होने से ग्रामीणो को पानी के लिए जान जोखिम में डालना लंबी दुरी तय कर पानी लाना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत बोहारडीह में बनी टंकी व पाईप लाईन कार्य त्रुटिपूण्र होने से आज भी दर्जनों ग्रामीणो के घरो में पानी नही आ रहा है, ग्रामीणों को घरो से बाहर निकलकर लंबी दूरी से पानी लाना पड़ रहा है।

सबसे विकट एवं खतरनाक स्थिति ग्राम पंचायत के वार्ड क्रमांक 01 की है। यहां पानी टंकी से पानी की आपूर्ति नही हो रही है। वार्ड मे स्थित हैण्डपंप खराब हो गया है। जिससे ग्रामीणो को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। वार्ड के ग्रामीण राष्ट्रीय राजमार्ग 930 को पार कर सड़क के दूसरे छोर से पानी लाने को मजबूर है। पानी लाने का कार्य बच्चो को भी करना पड़ रहा है, नही तो घर में समय पर पर्याप्त पानी नही हो पाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण सड़क मे लगातार वाहनो का आना जाना लगा रहता है, ऐसे में सड़क पार कर पानी लाना जान जोखिम में डालने वाला है। पानी लेकर आते समय ग्रामीणो के सिर, हाथ में पानी का भरा बर्तन रहता है, ऐसे में वे सड़क पार करते समय कभी भी वे गंभीर हादसे का शिकार हो सकते है।

ग्रामीणो व पंचायत ने लगातार प्रयास किया, अधिकारियों व नेताओ के चक्कर लगाए, पत्र सौपा पर पानी व्यवस्था नही हो सकी।

टंकी और पाइपलाइन बनी पर घरों तक नहीं पहुंचा पानी

फाईल फोटो

समस्या बरकरार

सरपंच राजेन्द्र साहू ने कहा वार्ड को हैण्ड पंप खराब हो गया है, पंचायत द्वारा पीएचई विभाग को कई बार स्थिति से अवगत कराया गया है, लेकिन विभाग ध्यान नही देता। पंचायत ने जिला प्रशासन को भी स्थिति की जानकारी दी है, लेकिन समस्या बरकरार है।

खबर संक्षेप

गौ सम्मान आह्वान को मिला समर्थन

गुण्डरदेही। गौ सम्मान आहवान अभियान के अंतर्गत गौ सेवकों ने परिक्षेत्र साहू समाज कांदूल द्वारा ग्राम सनौद में आयोजित भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में उपस्थित अतिथियों का समर्थन प्राप्त किया। जिसमें अनुसूचित जाति प्राधिकरण अध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाडा, विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत सदस्य मीना साहू, जनपद अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, सभापति गुलशन साहू, जनपद सदस्य कौशल किशोर साहू, टोमन लाल साहू, तहसील अध्यक्ष उमा शंकर साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष खिलावन साहू, पूर्व तहसील अध्यक्ष केशव राम साहू, धनेश्वर साहू, गौ सेवक दयाराम सिन्हा ग्रामीण अध्यक्ष सेतराम साहू के साथ 20 ग्राम के ग्रामीण पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अभियान का समर्थन करते हुए डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि सतनामी समाज बहुत पहले से ही गौ हत्या प्रतिबंध का समर्थन करते थे आज यह जन जागरण आवश्यक है ,गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा मिलना चाहिए।

करंट लगने से हुई बुजुर्ग की मौत

बालोद। मोहल्ले में साफ सफाई करने के बाद हाथ साफ करने गए व्यक्ति का करंट लगने की मौत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार शहर के नयापारा निवासी कृपाराम साहू 58 वर्ष मस्जिद के पास वाले गली में हर दिन की तरह साफ सफाई करने गया था। जहां साफ सफाई करने के बाद व्यक्ति मोहल्ले में स्थित नल में हाथ धोने के लिए ▶▶|शेष पेज 10 पर

घोटाला : 3.50 लाख का शौचालय अधूरा, बोर्ड में पूर्ण दिखाकर पंचायत ने दी गलत जानकारी

अधूरे शौचालय को पूर्ण बताकर पंचायत ने किया गुमराह, डेढ़ साल बाद भी ताला लटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरूर

- सार्वजनिक शौचालय अधूरा, पंचायत ने शासन को किया गुमराह
- अमृत सरोवर के पास बना शौचालय अधूरा, पंचायत ने पूर्ण बताकर किया खेल

ग्राम पंचायत हसदा ने अधुरे शौचालय को पूर्ण बताकर शासन प्रशासन को गुमराह करने का कार्य किया गया है। उसमे अब भी ताला लटक रहा है। कार्य स्वीकृति के ढेड़ साल बाद भी पंचायत एक शौचालय को पूर्ण नही कर सकी है। सूचना बोर्ड में भी अधूरी जानकारी लिखी गई है। ग्राम पंचायत हसदा विकासखण्ड एवं जिला के अंतिम छोर पर ▶▶|शेष पेज 10 पर

कार्य अधूरा

सूचना बोर्ड के अनुसार कार्य 18 जनवरी 2026 को पूर्ण हो चुका है, लेकिन कार्य स्थल का निरीक्षण करने से स्पष्ट हुआ कि कार्य अधुरा है, अपने झूठ को छिपाने के लिए पंचायत ने उसमे ताला लगा रखा है, जिससे किसी को सच्चाई की जानकारी न हो सके। लेकिन बाहरी ढ़ाचा के अवलोकन से ही स्पष्ट हो रहा है कि उसमे अभी पानी, बिजली का कार्य बचा हुआ है।

सचिव टीकाराम निशाद ने कहा शौचालय का काम अधुरा है, ध्यान से उतर गया जिससे बोर्ड में पुर्णता लिख दिया गया। अभी पाईप लाईन का कार्य अधुरा है, जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

उपसरपंच खिलावन साहू ने कहा शौचालय अभी अधूरा है, पानी की व्यवस्था नही है। अभी उसमे ताला लगाकर रखा गया है।

विपक्ष का महिला विरोधी चरित्र फिर हुआ उजागर : कुसुम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौंडीलोहारा

- कांग्रेस महिला विरोधी मानसिकता : कुसुम शर्मा

भाजपा मंडल अध्यक्ष कुसुम शर्मा ने संसद में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को लेकर कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष द्वारा किए गए विरोध पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस विरोध ने एक बार फिर कांग्रेस के महिला विरोधी चरित्र को उजागर कर दिया है। कुसुम शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी और विपक्ष नहीं चाहते कि देश की आधी आबादी, मातृशक्ति, विकास की मुख्यधारा में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज भी महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है और चुनावी समय में ही उनकी याद आती है। भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए यह ऐतिहासिक विधेयक लेकर आई। उनका कहना है कि इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करना है। कुसुम शर्मा ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी की सोच आज भी महिलाओं को सीमित दायरे में रखने की है, जबकि केंद्र सरकार ▶▶|शेष पेज 10 पर

पेड़ पर लटका मिला अज्ञात युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

कुसुमकसा। राष्ट्रीय राजमार्ग 930 स्थित टोल प्लाजा के पास जमही खार नाला के समीप एक कहुआ पेड़ में अज्ञात युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने शव को पेड़ पर लटका देख पुलिस को सूचना दी।जानकारी मिलते ही राजहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बीएसपी अस्पताल राजहरा की मर्चुरी में रखवाया गया है। मृतक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। युवक ने लाल, काला, सफेद और गुलाबी रंग का चेक शर्ट तथा काला पेंट पहन रखा था। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है तथा कद करीब 5 फीट 5 इंच है।राजहरा थाना के उप निरीक्षक कांता राम ने बताया कि शव को देखने से यह चार से पांच दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस आसपास के गांवों में पतासाजी कर रही है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को इस हुलिये से संबंधित व्यक्ति के बारे में जानकारी हो तो राजहरा थाना में संपर्क कर जानकारी दें। घटना की जांच जारी है।

महिला आरक्षण के नाम पर सरकार महिलाओं को कर रही गुमराहः सुचित्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अर्जुंदा

- जनगणना और परिसीमन से जोड़कर क्रियान्वयन टालने का लगाया आरोप

पूर्व जनपद अध्यक्ष सुचित्र साहू ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं को गुमराह कर रही है। महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित किया जा चुका है, फिर इसके क्रियान्वयन को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर अनावश्यक रूप से टाला जा रहा है। सरकार बड़े मुद्दों पर राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने में हमेशा विफल रही है और असली मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही है। महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में लोकसभा सदन में 454 मतो से और राज्यसभा सदन में 214 मतों से पास हो चुका है। इसे आधिकारिक तौर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा गया। इस बिल पर 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर किये और यह कानून बन गया। यह भारत के संविधान का 106 वां संशोधन अधिनियम 2023 बन गया।

कलश यात्रा, शोभायात्रा और संतवाणी से भक्तिमय हुआ वातावरण

माता कर्मा जयंती श्रद्धा और सामाजिक एकता के साथ मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अर्जुंदा

- मेधावी विद्यार्थियों व वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान
- सामाजिक भवन व सीसी रोड के लिए 20 लाख की घोषणा

परिक्षेत्र स्तरीय संत माता कर्मा महोत्सव की जयंती श्रद्धा उत्सव एवं सामाजिक एकता के साथ मनाए गए जिसमें स्वजातीय सामाजिक जनों की उपस्थिति रही परिक्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चों ने भाग लेकर सामाजिक समरसता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

भीशण गमऍ के बावजूद समाजजनों का उत्साह देखते ही बन रहा था कार्यक्रम की शुरुआत पूजा अर्चना से हुई इसके पश्चात मातृशक्ति कलश यात्र एवं शोभायात्र निकाली गई शोभायात्र मे गाली भ्रमण करते हुए भजन कीर्तन के साथ ग्राम के मुख्य मार्गो से भ्रमण किया जिसने पूरे वातावरण को भक्ति में बना दिया इसके उपरांत आदरणीय टोमन लाल साहू तहसील सलाहकार के कलकर्मों से माता कर्मा का ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात संत सुशांत साहब जी कबीर आश्रम करीभदर एवं संत श्री दिनेंद्र साहिब जी कबीर आश्रम दुबचेर संतवाणी का श्रवण सामाजिक जनों ने किया गया इसके पश्चात 15 से 17 गांव से आए मेधावी प्रतिभावान छात्र–छात्रओं 10वीं 12वीं में 80 प्रतिशत से ऊपर आने वाले बच्चों का प्रशस्ति पत्र प्रतीक चिन्ह नारियल भेंट कर उनका उत्साहवर्धन एवं सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम पहर में अध्यक्ष तेलघणी बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन जितेंद्र साहू के कार्यक्रमों के द्वारा सम्मान किया गया साथ ही तहसील अध्यक्ष उमाशंकर साहू एवं जिला पंचायत सदस्य मीना साहू जी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया जिसमें पूरे 15 से 17 वरिष्ठ नागरिकों को प्रतीक चिन्ह साल नारियल भेंट करके सम्मान किया गया।

द्वितीय प्रहर में मुख्य मुख्य अतिथि अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक महंत डोमन लाल कोर्सेवाडा, विशेष अतिथि विधायक गुण्डरदेही कुंवर सिंह निषाद, पूर्व अध्यक्ष जिला साहू समाज दुर्ग खिलावन साहू, विधायक प्रतिनिधि अहिवारा विधान सभा सतीश ▶▶|शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

मीजल्स रूबेला टीकाकरण 22 से

भिलाई। लालबहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में 22 से 30 अप्रैल तक मीजल्स रूबेला का टीका लगाया जाएगा। अस्पताल प्रभारी डॉ. पीयम सिंह ने बताया कि सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक टीके लगाए जाएंगे। मीजल्स-रूबेला एकआर टीका खसरा और रूबेला से सुरक्षा प्रदान करने वाला एक सुरक्षित और प्रभावी टीका है, जो मुख्य रूप से बच्चों को 9-12 महीने और 16-24 महीने की उम्र में दो खुराक के रूप में दिया जाता है।

पेज 9 के शेष

अधूरे शौचालय को...

स्थित है, यहां से धमतरी जिला की सीमा प्रारंभ हो जाती है। अंतिम छोर पर होने के कारण इस ग्राम में अधिकारियो का दौरा कम ही होता है। इसी का लाभ पंचायत उठा रही है। ग्राम पंचायत हसदा मे अमृत सरोवर तालाब के पास सार्वजनिक शौचालय के लिए अभिशरण अंतर्गत मनरेगा, एसबीएम एवं 15वें वित्त के तहत कुल 3.50 लाख रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। पंचायत ने कार्य 18 नवंबर 2024 को प्रारंभ किया। कार्य स्थल पर लगे सूचना बोर्ड के अनुसार कार्य 18 जनवरी 2026 को पूर्ण हो गया है। छोटे से कार्य को करने में पंचायत ने पूरा 14 माह का समय लिया। लेकिन उसके बाद भी कार्य पुर्ण नही हुआ और पंचायत अधुरे कार्य को पूर्ण बताकर शासन प्रशासन को गुमराह कर रही है।

विपक्ष का महिला...

बीते 12 वर्षों से महिलाओं के विकास और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की अधिकांश योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी प्रमुख रूप से सुनिश्चित की गई है, वहीं भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के नाम से विशेष योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अंत में उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं विपक्ष के इस रवैये को कभी माफ नहीं करेंगी और आने वाले समय में एक सशक्त, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

माता कर्मा जयंती...

साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत गुण्डरदेही पुरुषोत्तम चंद्राकर, सदस्य जनपद पंचायत गुण्डरदेही धारा पंकज चौधरी नेतराम साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष दानेश्वर प्रसाद साहू, सचिव टोमन लाल सोनबोइर, ग्रामीण अध्यक्ष सेतराम साहू, सचिव मेघनाथ साहू, सोमन साहू, सुनील साहू, चोवा साहू के आतिथ्य का आगमन हुआ। मुख्य वक्ता उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन डोमलाल कोर्सेवाडा द्वारा गांव की मुख्य मांग को स्पष्टीकरण करते हुए सामाजिक भवन 10 लाख सीसी कारण रोड के लिए लगभग 10 लाख रुपए देने की घोषणा की गई। अंत में कार्यक्रम का आभार व्यक्त करते हुए अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू समाज कांदूल दानेश्वर प्रसाद साहू द्वारा बड़ी संख्या में सामाजिक महिला एवं पुरुष पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। जिसमें परिक्षेत्रीय एवं ग्रामीण इकाई स्तर के पदाधिकारी की उपस्थिति रही। समग्र रूप से संत माता कर्मा महोत्सव की जयंती परिक्षेत्रीय स्तरीय ग्राम सनौद में अभूतपूर्व उत्सव एकता और श्रद्धा के साथ मनाई गई।

करेंट लगने की...

गया। जहां अचानक करंट करने से व्यक्ति वही गिर पड़ा। जिसके बाद आस पास मोजूद लोगों ने व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। जहां व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार जिस जगह नल लगा हुआ था उस टीनशेड नुमा जगह पर अर्थिंग तार गुजरा हुआ था। जिसके कारण वहां करंट फैल गया जिसके चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। वही मामले की जानकारी होने पर पुलिस उक्त जगह की छानबीन की तथा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस जांच के बाद ही मृत्यु का मुख्य कारण स्पष्ट हो पाएगा।

पारा 43 डिग्री पार, लू की चपेट में ट्विनसिटी, और बढ़ेगा तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

शनिवार को पारा 43 डिग्री पार हो गया। ट्विनसिटी का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा। जो सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा है। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लू की स्थिति तीन दिन और रह सकती है और पारा 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। तापमान बढ़ने की वजह से पूरे दिन लू के हालात से ट्विनसिटीवासियों को जूझना पड़ा। सड़कों पर दोपहर को सन्नाटा पसरा रहा। आवागमन कम हो गया है। जिला व स्वास्थ्य प्रशासन ने लोगों को लू एलर्ट जारी किया है।

इस साल पारा 44 डिग्री पार होने की संभावना

इस तरह चल रहा है सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक एक उत्तर दक्षिण द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से मन्नार की खाड़ी तक पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, रॉयल सीमा और तमिलनाडु होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पूर्व पश्चिम द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक बिहार, अप हिमालयीन पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक प्रति चक्रवात अंदरुनी महाराष्ट्र और उससे लगे तेलंगाना तथा उत्तर अंदरूनी कर्नाटक के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

तीन दिन तक ग्रीष्मलहर जैसे हालात रहेंगे

मौसम विभाग ने तीन दिन तक ग्रीष्म लहर जैसे हालात रहने की चेतावनी दी है। हालांकि विभाग ने स्पष्ट किया है कि ग्रीष्म जैसे स्थिति बन रही है न कि ग्रीष्म लहर चल रही है। प्रति चक्रवात के असर से बादल भी छा रहे है। इस वजह से उमस से राहत मिलने की उम्मीद कम है। ग्रीष्म लहर यानी हीट वेव जैसी स्थिति 20 अप्रैल तक बनने की मुख्य वजह राजस्थान से होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से गर्म हवा ज्यादा मात्रा में आना है।

इस बार पहले बने हालात

मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि हर साल 20 अप्रैल के बाद जिले व प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में ग्रीष्म लहर जैसे हालात बनते थे लेकिन इस बार मौसमी सिस्टम (प्रति चक्रवात) की वजह से 20 अप्रैल के पहले यह स्थिति बन गई है। पिछले साल 22 अप्रैल को रायपुर का पारा 44 डिग्री के आसपास पहुंचा था। अमूमन ऐसे हालात तभी बनते है, जब कोई मौसमी सिस्टम धरती से वापस जाने वाली उष्मा तरंग को अंतरिक्ष की ओर जाने से कुछ हद तक रोकती है। तीन दिन तक गर्मी व उमस से राहत मिलने की उम्मीद कम है। इसके बाद तापमान में गिरावट आने से राहत मिल सकती है।

भीषण गर्मी को देखते हुए सलाह देने विशेष दस्ता गठित

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम क्षेत्र में वर्तमान में बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आयुक्त के निर्देशानुसार, निगम द्वारा गठित विशेष दस्ता और जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरंतर वार्डों में भ्रमण कर नागरिकों को लू से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं।

जोन-02 वैशाली नगर के वार्ड-25, जवाहर नगर हाउसिंग बोर्ड स्थित प्रधानमंत्री आवासीय कॉलोनी में सघन सर्वेलेंस और सर्वेक्षण कार्य किया गया। अब तक 400 से अधिक घरों में संपर्क किया गया है। इस दौरान टीम ने घर-घर जाकर नागरिकों को गर्मी से बचाव हेतु स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की और जागरूकता पाम्पलेट वितरित किए। नागरिकों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया है।सर्वेक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने नागरिकों को कई सावधानियां बरतने की सलाह दी गई। दोपहर के समय जब तक बहुत अनिवार्य न हो, घर से बाहर न निकलें। धूप में निकलते समय सिर और कानों को कपड़े से ढंककर रखें। पानी का अधिक से अधिक सेवन करें। आहार में पानी से भरपूर फल जैसे खरबूजा, खीरा और ककड़ी को शामिल करें। शरीर में पानी की कमी को रोकने के लिए नींबू पानी, शिकंजी, लस्सी, और छाछ जैसे तरल पदार्थों का नियमित सेवन करें।

शिकायत के बाद शिक्षा विभाग ने बनाई कमेटी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति सभी निजी विद्यालयों में लागू पर एनसीईआरटी की किताबों से नहीं पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

राष्ट्रीय शिक्षा नीति छत्तीसगढ़ के निजी स्कूलों में भी लागू है। इसका मतलब सभी स्कूल चाहे वो शासकीय हो या निजी एनसीईआरटी की किताबों से पढ़ाई कराना अनिवार्य है। इसके बावजूद इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। न शिक्षा विभाग इस नियम का पालन करवाने में सख्ती दिखाई है और न स्कूल संचालकों ने इस पर पहल की। नतीजा विद्यार्थी निजी प्रकाशकों की किताबों से पढ़ाई करने मजबूर हो रहे हैं। पालकों को मंहगे दाम पर किताबें खरीदनी पड़ रही हैं। खास बात यह है कि एनसीईआरटी की किताबों से ही स्टडी कर विद्यार्थियों को आगे चलकर प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठना है। निजी प्रकाशकों की किताबों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ही नहीं होती। ऐसे में निजी स्कूल विद्यार्थियों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। उसके बावजूद शासन-प्रशासन चुप्पी साधे हुए है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ये हैं नियम

छतीसगढ शासन के आदेश 15/7/2024 के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को राज्य स्थित सभी विद्यालयों में लागू कर दिया है। इससे छत्तीसगढ़ राज्य स्थित विद्यालयों (केन्द्रीय विद्यालय तथा जवाहर नवोदय विद्यालय को छोड़कर) को छत्तीसगढ़ निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2010 के प्रावधान 15 के अनुसार विद्यालय संचालन हेतु मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य है। निजी विद्यालय को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रदत मान्यता के प्रावधान 7 के अनुसार विद्यालय को समुचित प्राधिकारी द्वारा अधिकथित पाठ्यचर्य के आधार पर पाठ्यक्रम का पालन करना अनिवार्य है। भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् को शैक्षणिक प्राधिकारी अधिसूचित किया है।

स्कूलों द्वारा किताबें चलाना इसलिए जरूरी

1 शिक्षा का अधिकार अंर्तगत राज्य के भीतर स्थित सभी विद्यालय जो छतीसगढ़ शासन के क्षेत्रधिकार में आते हैं। चाहे वह विद्यालय किसी मी बोर्ड से सम्बद्धता रखता हो 6 से 14 वर्ष की शिक्षा उनका मौलिक अधिकार है।

2 किसी भी निजी विद्यालय के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी से निजी प्रकाशकों के पाठयपुस्तक के उपयोग करने से पहले उनका अनुमोदन जरूरी है लेकिन भिलाई, दुर्ग सहित दुर्ग जिले में स्कूलों द्वारा अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है।

3 जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा बाल सरंक्षण आयोग के द्वारा पत्र कमाक 9/4/2024 के माध्यम से एनसीईआरटी और एसईसीईआरटी के पाठ्य पुस्तक से शिक्षा प्रदान करने के निर्देशकों पालन नहीं किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में यह अनिवार्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधान करके अनुसार 6 वर्ष के बालकों शिक्षा प्रदाय करने के लिये निम्मलिखित निर्देश जारी किए गए हैं। बुनियादी स्तर के पहले तीन वर्षों में 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कोई निर्धारित पाठ्यपुस्तक नहीं होनी चाहिए। इस आयु के वर्गों के बच्चों पर पाठ्यपुस्तक का बोझ नहीं डालना चाहिए। यानी कोई भी विद्यालय किसी विद्यार्थी को 5000 रुपये के पाठ्यपुस्तक खरीदने के लिये बाध्य नही कर सकता है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल से संबद्धता प्राप्त विद्यालयों को एनसीईआर से पाठयक्रम का अनुसरण करना अनिवार्य है। विद्यालय को सलाह दी है कि वह एनसीईआरटी व एससीईआरटी के पाठ्यपुस्तक का उपयोग शिक्षा प्रदान करने के लिये करें। विद्यालय कुल पूरक पाठय पुस्तक का उपयोग शिक्षा प्रदाय करने हेतु कर सकते हैं।

किताबों के दामों में इस तरह अंतर

कक्षा	एनसीईआरटी	निजी प्रकाशक सेट
पहली	195	2000 से 3500 रुपए
दूसरी	26	2000 से 3500 रुपए
तीसरी	390	2500 से 4000 रुपए
चौथी	360	2500 से 4000 रुपए
पांचवी	600	2500 से 5000 रुपए
छठवीं	490	3000 से 5000 रुपए
सातवीं	585	3000 से 5500 रुपए
आठवीं	590	3500 से 5500 रुपए
नवमी	750	4000 से 6000 रूपए
दसवीं	700	4000 से 7000 रूपए

नोट : ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की किताबें छात्रों द्वारा चुने गए विषय समूह जैसे-कला, वाणिज्य, विज्ञान अथवा गणित समूह के आधार पर अलग-अलग हैं। लेकिन किसी भी संकाय की एनएसीईआरटी की किताबें 1500-2000 रुपए के रेंज में ही हैं, जबकि निजी हायर सेकंडरी कक्षाओं की निजी प्रकाशकों की किताबें 4000 रुपए से प्रारंभ होकर 7000 रुपए तक की रेंज में है।

जिला शिक्षा विभाग ने चार स्तर पर दी है स्कूलों को मान्यता

जिले में चार स्तर पर स्कूलों को मान्यता मिली हुई है। पहला नर्सरी से कक्षा पाचवीं, दूसरा नर्सरी से कक्षा आठवीं और तीसरा नर्सरी से कक्षा बाारहवीं सीजी बोर्ड और चौथा नर्सरी से कक्षा बारहवीं सीबीएससी बोर्ड। क्रमांक 1 से 3 तक मान्यता प्राप्त विद्यालय को एसईसीआरटी के पाठ्यपुस्तक को अनुशरण करते हुए पढ़ाई करवाना अनिवार्य है। इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को राज्य शासन निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध करवाता है। क्रमांक 4 को एनसीईआरटी पाठयक्रम को पालन करना अनिवार्य है।

बनाई गई है जांच समिति

जिला शिक्षा विभाग ने फीस, किताबें गणवेश संबंधी शिकायतों को लेकर जांच समिति बनाई है। इस समिति में कोई भी संस्था , पालक या आमजन शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। पांच सदस्यीय समिति उन शिकायतों की जांच करेगी और उनकी रिपोर्ट के आधार पर नियम के हिसाब से आगे की कार्रवाई तय करेगी।

- अरविंद कुमार मिश्रा
जिला शिक्षा अधिकारी

अक्षय तृतीया पर शहर से गांव तक दिखा उत्साह, बच्चों ने निभाई पुतला-पुतली विवाह की परंपरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

- रीति-रिवाज से हुआ पुतला-पुतली विवाह
- भगवान परशुराम से जुड़ी है मान्यता

जिले के शहर से लेकर गांवो मे अक्षय तृतीय मनाई। जिसके तहत कई जगहो में रविवार को अक्षय तृतीय मनाई गई, वही कई गांवो में आज अक्षय तृतीय मनाया जाएगा।

अक्षय तृतीय के दिन सुबह से ही बाजारो में गुड्डी गुड्डी के जोड़े दुकानदारो द्वारा बेचे जा रहे थे। जहां चौक चौराहो में सजे बाजार में रंग बिरंगे पुतला पुतली देखते ही बन रहे थे। जहां कई जगहो में रविवार को छोटे बच्चे व बड़े बुजुर्गो द्वारा पूरे रीति रिवाज से पुतला पुतली का विवाह करने के बाद टीकावन टीकने के लिए थाली में पुतला पुतली रखकर आस पास के घरो में जाकर टीकावन टीकने तथा आर्शीवाद देने की बात करते दिखे।

माना जाता है कि इस दिन किए गए दान, जप–तप से अनंत फल मिलते हैं, यह भगवान परशुराम के जन्म, सतयुग–त्रेतायुग के आरंभ और महाभारत काल से जुड़ी हुई है, भगवान विष्णु–लक्ष्मी की पूजा, दान और सात्विक जीवन से घर में सुख–शांति आती है।

हिंदू धर्म में वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि का विशेष आध्यात्मिक महत्व बताया गया है, अक्षय शब्द का अर्थ है जिसका कभी क्षय न हो, यानी जो कभी समाप्त न हो। माना जाता है कि इस दिन किए गए दान, जप और तप का फल अनंत काल तक बना रहता है, यह दिन नई शुरुआत करने और जीवन में सुख–शांति लाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। शास्त्रें के अनुसार इसी दिन सतयुग और त्रेतायुग का आरंभ हुआ था, जो इस तिथि को और भी पावन बनाता है, इस विशेष अवसर पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करने से घर में खुशहाली आती है और मानसिक शांति मिलती है।

अक्षय तृतीया का दिन इतिहास और पुराणों की कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी है, हिंदू मान्यता के अनुसार, इसी पावन तिथि पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, इसे युगादि तिथि भी कहा जाता है क्योंकि माना जाता है कि इसी दिन से त्रेता युग की शुरुआत हुई थी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन महर्षि वेदव्यास ने महाभारत सुनानी शुरू की थी और भगवान गणेश ने उसे लिखना आरंभ किया था, इस तिथि का संबंध श्रीकृष्ण से भी है। उन्होंने इसी दिन पांडवों को अक्षय पात्र भेंट किया था और सुदामा की निर्धनता भी इसी दिन दूर की थी। ये सभी कथाएं हमें सिखाती हैं। कि सच्ची भक्ति और अच्छे कर्मों से जीवन में कभी न समाप्त होने वाले सुख की प्राप्ति होती है।

एमएसएमई प्रतिनिधि मंडल और बीएसपी अधिकारी की बैठक

क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सीपीडी के माध्यम से दिए जा रहे कार्यों में सुधार पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एमएसएमई जिला उद्योग संघ दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल और भिलाई स्टील प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक एमएफयू के बीच बैठक हुई। इसका उद्देश्य एमएसएमई एंसिलरी इकाइयों की भागीदारी बढ़ाना, उनकी समस्याओं का समाधान करना तथा औद्योगिक सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाना था।

बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से यह रखा कि वर्तमान में सीपीडी केंद्रीय क्रय विभाग के माध्यम से दिए जा रहे कार्यों में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और लचीला बनाया जाए, तो स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को अधिक अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से डिलीवरी पीरियड डीपी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि वर्तमान 30 दिनों की समयसीमा कई बार व्यावहारिक नहीं होती, विशेषकर तब जब कच्चे माल की उपलब्धता या अन्य लॉजिस्टिक चुनौतियां सामने आती हैं। इसीलिए उन्होंने डीपी को बढ़ाकर 60 दिन करने की मांग रखी, जिससे इकाइयों को कार्य गुणवत्ता के साथ पूरा करने में पर्याप्त समय मिल सके। लिक्विडेटेड डैमेज एलडी के प्रावधानों पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल का मत था कि वर्तमान एलडी प्रणाली कई बार एमएसएमई इकाइयों के लिए दंडात्मक सिद्ध होती है, जबकि कई देरी के कारण उनके नियंत्रण से बाहर होते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि एक बार टेंडर जारी होने के बाद उसकी अवधि के बीच बैंक गारंटी की शर्तों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे उद्योगों की वित्तीय योजना प्रभावित होती है।

बैठक के दौरान प्लांट की ओर से उपस्थित बीके बेहेरा, सीजीएम मैकेनिकल और इंचार्ज ने सभी बिंदुओं को सुनते हुए स्वीकार किया कि हाल के समय में कुछ विभागीय प्रक्रियाओं के कारण कार्य आवंटन में विलंब हुआ था, लेकिन अब वे बाधाएं समाप्त हो चुकी हैं और कार्य आवंटन की प्रक्रिया पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि आने वाले वर्ष में एमएसएमई इकाइयों को पिछले वर्ष की तुलना में अधिक कार्य प्रदान किए जाएंगे। वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 25 लाख रुपये का अतिरिक्त कार्य पहले ही दिया जा चुका है, और भविष्य में इस राशि को और बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। यह आश्वासन एमएसएमई प्रतिनिधियों के लिए उत्साहजनक रहा। टेंडर प्रक्रिया के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि टेंडर अवधि के दौरान बैंक गारंटी की शर्तों में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा, जिससे उद्योगों को स्थिरता और भरोसा मिल सके।

बैठक में प्लांट की ओर से उत्पल दत्ता सीजीएम शॉप्स, राजीव सोनटेक, उदय तिवारी भी उपस्थित थे। वहीं एमएसएमई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वरिष्ठ उद्योगपति हरविंदर सिंह खुराना, व्यास प्रसाद देशराज और आरके सिंह ने किया।

निर्मला इंग्लिश मीडियम स्कूल का शत प्रतिशत रिजल्ट श्रेयांश 95.6 प्रतिशत के साथ कक्षा में प्रथम रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

- 50 वर्षों की शैक्षणिक परंपरा बरकरार, पूरे दल्लीराजहरा में खुशी का माहौल

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में निर्मला इंग्लिश मीडियम स्कूल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को साबित करते हुए 100% परिणाम हासिल कर नया इतिहास रच दिया है। इस शानदार उपलब्धि ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे दल्लीराजहरा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। श्रेयांश गुप्ता ने 95.6% अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया और सफलता का परचम लहराया। वहीं अक्शा शेख ने 92.2%, वृद्धि गुप्ता ने 91% तथा सय्यद अहमद हाफिज ने 90.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चांद लगाए।

इसके अलावा कई विद्यार्थियों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से दल्लीराजहरा में गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम शिक्षा प्रदान कर रहा यह विद्यालय लगातार श्रेष्ठ परिणामों के लिए जाना जाता है। विद्यालय की अनुशासित शिक्षा प्रणाली, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण छात्रों को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही वजह है कि बालोद, डौंडी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में छात्र यहां शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। प्राचार्या सिस्टर जोसिया मेरी ने बताया कि कोविड काल के बाद विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन शिक्षकों की अथक मेहनत, समर्पण और सुनियोजित प्रयासों ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया। परिणामस्वरूप इस वर्ष न केवल 100% रिजल्ट प्राप्त हुआ, बल्कि सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। विद्यालय के प्रबंधक सिस्टर सचिता फ्रांसीस, उप प्राचार्या सिस्टर लीना फ्रांसीस एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने इसे टीम वर्क, अनुशासन और निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। निर्मला इंग्लिश मीडियम स्कूल की यह उपलब्धि न केवल एक शैक्षणिक सफलता है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनकर उभरी है। यह परिणाम साबित करता है कि सही मार्गदर्शन, मेहनत और सकारात्मक वातावरण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

डीपीएमएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रबंधन के पहलुओं को मिले टिप्स

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सॉल्यूशन के तहत बीएमडीसी, सेक्टर–7 में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। उदघाटन ईडी पीके सरकार ने किया। प्रतिभागियों को तकनीकी प्रबंधन के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आईपीयू की पहल से लेकर स्टेज-1 और स्टेज-2 अनुमोदन, कॉन्ट्रैक्ट अवार्ड, निष्पादन, कमीशनिंग तथा अंततः कॉन्ट्रैक्ट क्लोजर तक की संपूर्ण प्रक्रिया को समझाया गया। प्रतिभागियों को डीपीएमएस में पंजीकरण की प्रक्रिया, डायरेक्टरी निर्माण, कंसल्टेंट को असाइनमेंट, आईपीयू निर्माण, के साथ डीपीएमएस का इंटरफेस तथा विभिन्न अनुमोदन प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की गई। उद्घाटन सत्र कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) पीके सरकार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक अंकिता मोहनिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सीजीएम एमके गुप्ता, अनुराग उपाध्याय व उन्मेष भारद्वाज भी उपस्थित थे।

पर्व : श्री राम मंदिर में अक्षय तृतीया पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल, श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

अक्षय तृतीया पर श्री राम मंदिर में राम दरबार का विशेष श्रृंगार, भक्तों ने सुनी भगवान परशुराम की प्रेरक कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

भगवान श्री राम मंदिर जामगांव आर पुजारी पंडित मुरली वैष्णव महाराज ने राम दरबार का विशेष श्रृंगार कर कर भक्तों को बताया अक्षय तृतीया से जुड़ी हुई अतीत की महत्वपूर्ण प्रेरणादाई बातें।

महाराज ने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन पवित्र दिवस जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने 400 दिनों की निर्जला उपवास का पारणा गन्ना का रस पीकर किए थे, भगवान श्री कृष्ण से मित्र सुदामा को भव्य महल प्रदान किए, महासती द्रौपदी को अक्षय पात्र मिला, राजा भगीरथ से प्रसन्न गंगा धरती पर अवतरित हुई और महर्षि वेद व्यास ने श्री गणेश के साथ मिलकर महाभारत का लेखन आरंभ किए। श्री राम मंदिर जामगांव आर में मदन लाल केला, भीखमचंद राठी, कुंजी चंद्राकर, हेमलता वैष्णव ने जल भरा मटका दान रविवार अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर किए।

महाराज ने भक्तों को बताया कि भगवान परशुराम का वास्तविक नाम 'राम' ही था, किन्तु भगवान शिव द्वारा प्रदत्त अमोघ अस्त्र परशु को सदैव धारण किये रहने के कारण ये परशु वाले राम अर्थात् 'परशुराम' कहलाये। ये राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि मुनि के पुत्र थे। जमदग्नि के पुत्र होने के कारण इनका एक नाम 'जामदग्न्य' भी था। ये भगवान शिव के परम भक्त थे। समस्त शस्त्रों एवं शास्त्रों के ज्ञाता भगवान श्रीहरि विष्णु के 'आवेशावतार' भगवान परशुराम का प्रादुर्भाव सतयुग एवं त्रेता युगों के संधिकाल में 5143 वि.पू. वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रात्रि के प्रथम प्रहर में हुआ था।

अक्षय शक्ति वाले भगवान परशुराम के प्राकट्य के कारण वैशाख शुक्ल की यह विशिष्ट तिथि 'अक्षय तृतीया' के नाम से विभूषित हुई। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान–पुण्य आदि का कभी क्षय नहीं होता। सनातन धर्म में इस दिन व्रतोपवास करने एवं उत्सव मनाने की प्रथा है। पंडित मुरली वैष्णव ने बताया कि अक्षय तृतीया का दान से पुण्य प्रबल होता है।

महाराज ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान श्रीविष्णु के पांचवें एवं सातवें अवतार यानी वामन एवं भगवान श्रीराम के मध्य क्रम में धरती पर अवतरित हुए।

उन्होंने बताया कि सनातन मर्यादा के रक्षक भगवान परशुराम के महान पराक्रम से अधर्मी राजा थर–थर कांपते थे। भगवान शिव से इन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का त्रैलोक्य विजय कवच, स्तवराज स्तोत्र एवं मंत्र कल्पतरु प्राप्त किया था। शस्त्र विद्या के महान ज्ञाता भगवान परशुराम ने भीष्म, द्रोण तथा कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार एक बार कैलास में प्रवेश करते समय श्रीगणेश जी द्वारा रोक लिये जाने पर भगवान परशुराम ने परशु का प्रहार किया, जिससे गणेशजी का दांत टूट गया था। तत्पश्चात् भगवान श्रीगणेश एकदंत कहलाये। शास्त्रोक्त है कि भगवान श्रीहरि विष्णु ने अहंकार में चूर अत्याचारी क्षत्रिय राजाओं के मानमर्दन के लिए भगवान परशुराम के रूप में अवतार लिया तथा धर्म से द्वेष करने वाले अन्यायियों का दमन कर जगत के रक्षार्थ भगवान परशुराम ने भगवान शिव द्वारा प्रदत्त अमोघ अस्त्र 'परशु' धारण किया था।

परशुराम ज्ञान और शक्ति के प्रतीक

महाराज ने बताया कि अपने अवतार कार्यों को पूरा करने हेतु ऋषि दुर्वासा की भांति भगवान परशुराम अत्यंत क्रोधी स्वभाव वाले थे। लेकिन एक बार पितरों की आकाशवाणी सुनने के बाद युद्ध करना छोड़ वे तपस्या करने चले गये। पुनः त्रेता युग में सीता–स्वयंवर के दौरान भगवान श्रीरामचन्द्र द्वारा भगवान शिव का धनुष तोड़ने पर अत्यंत क्रुद्ध होकर ये राजा जनक के राज–दरबार में पधारे। तब भगवान परशुराम ने भगवान श्रीराम की परीक्षा लेनी चाही। इन्होंने अपना धनुष भगवान श्रीरामचन्द्र को दिया। ज्योंहि श्रीराम ने धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ायी, परशुराम समझ गये कि श्रीरामचन्द्र भगवान विष्णु के अवतार हैं। महाराज श्री ने बताया कि भगवान परशुराम महर्षि वेदव्यास, अश्वत्थामा, राजा बलि, हनुमान, विभीषण, पाचार्य, ऋषि मार्कंडेय सहित अष्टचिरंजीवियों में शामिल हैं–वर्तमान में असम की उत्तर–पूर्वी सीमा पर, जहां ब्रह्मपुत्र नदी भारत में प्रवेश करती है, 'परशुराम कुण्ड' नामक तीर्थस्थान है, जो भगवान परशुराम के पराक्रम की याद दिलाता है। शास्त्रोक्त है कि वहीं पर तप करके भगवान परशुराम ने शिवजी से अमोघ परशु प्राप्त किया और अंत में इन्होंने वहीं पर उसे विसर्जित भी किया था। इस प्रकार सर्वशक्तिमान विश्वात्मा भगवान श्रीहरि ने भृगुवंश में अवतार ग्रहण करके पृथ्वी के भारभूत राजाओं को दंडित कर सत्य, दया एवं शांतियुक्त कल्याणमय धर्म की स्थापना की।

समानता का संदेश: खल्लारी में अंबेडकर भवन लोकार्पण के साथ सामाजिक न्याय की नई पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

- 6.50 लाख की लागत से बने अंबेडकर भवन का हुआ लोकार्पण
- बाबा साहेब के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प

संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रणेता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आदिवासी विकासखंड डौंडी के ग्राम पंचायत खल्लारी में जिला स्तरीय महासभा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति ने इसे जनजागरूकता और सामाजिक एकता का सशक्त मंच बना दिया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ग्राम खल्लारी में नव-निर्मित अंबेडकर भवन का लोकार्पण रहा। यह भवन क्षेत्रीय विधायक अनिला भेंडिया की पहल पर विधायक निधि से स्वीकृत 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से निर्मित किया गया है। भवन के निर्माण से स्थानीय समाज को सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक सशक्त केंद्र उपलब्ध हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में संगठन और संवाद को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद अतिथियों का आत्मीय स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। पूरे आयोजन में अनुशासन, उत्साह और सामाजिक समरसता की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश जिस मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे पर खड़ा है, उसकी नींव बाबा साहेब के दूरदर्शी विचारों में निहित है। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, वंचितों और पिछड़ों को अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया और समानता आधारित समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने आगे कहा कि "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। वर्तमान समय में सामाजिक जागरूकता और शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज अपने अधिकारों को समझकर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। बाबा साहेब के विचार केवल इतिहास नहीं, बल्कि आज के भारत के निर्माण की प्रेरणा हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह भी कहा कि अंबेडकर भवन जैसे निर्माण केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के केंद्र होते हैं, जहां से समानता, शिक्षा और अधिकारों की अलख जागृत होती है। ऐसे प्रयास समाज को संगठित कर नई ऊर्जा प्रदान करते हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं। समापन अवसर पर समाजजनों ने संकल्प लिया कि वे बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाते हुए शिक्षा, एकता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ेंगे तथा समाज में भेदभाव रहित वातावरण बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा जनता को कर रही गुमराह: किशोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरूर

- ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने परिसीमन को बताया भाजपा की असली मंशा

महिला आरक्षण को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशोर साहू ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है, जबकि उसकी वास्तविक मंशा परिसीमन से जुड़ी है।

कांग्रेस के अनुसार, भाजपा लगातार यह प्रचार कर रही है कि विपक्षी दलों के कारण महिला आरक्षण बिल पहले पास नहीं हो पाया, जबकि सच्चाई इससे अलग है। कांग्रेस पाटएँ का दावा है कि महिला आरक्षण विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन चुका है और इस पर राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल चुकी है।

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि 16 अप्रैल 2026 को संसद में प्रस्तुत 131वें संविधान संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण लागू करना नहीं, बल्कि परिसीमन से जुड़े प्रावधानों को आगे बढ़ाना था। इस विधेयक में लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 करने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने की बात कही गई थी। अध्यक्ष साहू ने कांग्रेस के अपने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने की दिशा में उसके प्रयास पहले से रहे हैं। पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण दिलाने का श्रेय भी कांग्रेस सरकारों को जाता है, जिससे आज लाखों महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रही हैं। अध्यक्ष साहू ने आरोप लगाया कि भाजपा की असली मंशा महिला सशक्तिकरण नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक हितों के अनुसार सीटों का पुनर्वितरण परिसीमन करना है। वह महिला आरक्षण के नाम पर देशभर में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है।

विधेयक गिरने के कारण

किशोर साहू ने कहा कांग्रेस के मुताबिक, इस प्रस्ताव का कई राज्यों ने विरोध किया, क्योंकि भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे को आगे रखकर परिसीमन लागू करना चाहती थी। साथ ही सवाल उठाया गया कि जब 2026–27 में नई जनगणना प्रस्तावित है, तो पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों किया जा रहा है। पार्टी ने यह भी कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिला आरक्षण लागू करना चाहती है, तो वह बिना परिसीमन का इंतजार किए वर्तमान सीटों पर ही 33 प्रतिशत आरक्षण दे सकती है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसके लिए तैयार हैं।

चिखली में नवीन खाद-बीज भंडार का शुभारंभ, किसानों को मिली बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

दल्लीराजहरा के समीप आदिवासी ब्लॉक के ग्राम चिखली में किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई। यहां नवीन सोसाइटी खाद एवं बीज भंडार का शुभारंभ होने से अब चिखली सहित नर्राटोला और बोरगांव के किसानों को खाद और बीज के लिए तहसील मुख्यालय डौंडी तक बार-बार नहीं जाना पड़ेगा। इस पहल से क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि पियूष सोनी, ग्राम पंचायत चिखली के सरपंच रमऊ राम ठाकुर, नर्राटोला के सरपंच चिराम बोरगांव के सरपंच, प्राधिकृत अधिकारी टेकाम (प्राधिकृत अध्यक्ष) तथा नोडल अधिकारी करतेन्द्र सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। उद्घाटन से पहले छत्तीसगढ़ महतारी एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चित्र पर पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

पियूष सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि यह भंडार किसानों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। उन्होंने कहा कि भवन बनना तभी सार्थक है जब किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर खाद एवं बीज उपलब्ध हो। अब किसानों को अनावश्यक भागदौड़ से मुक्ति मिलेगी और खेती का काम समय पर हो सकेगा। उन्होंने इस सौगात के लिए क्षेत्र की विधायक अनिला भेड़िया के प्रयासों को अहम बताया।

- पूजा–अर्चना के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ
- पसमय पर खाद–बीज मिलने से खेती होगी आसान : पियूष सोनी

रमऊ राम ठाकुर ने कहा कि चिखली लंबे समय से इस सुविधा से वंचित था। अब भंडार खुलने से गांव की कृषि व्यवस्था मजबूत होगी और किसानों का समय व खर्च दोनों बचेगा। चिरामजी ने इसे आसपास के गांवों के लिए भी लाभकारी बताते हुए कहा कि इससे खेती की तैयारियों में तेजी आएगी।

प्राधिकृत अधिकारी टेकाम मैडम ने कहा कि सोसाइटी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से खाद और बीज का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। नोडल अधिकारी करतेन्द्र ने किसानों से अपील की कि वे समय पर पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ लें, ताकि किसी भी तरह की असुविधा न हो।

कार्यक्रम में मौजूद किसानों ने भी खुशी जताते हुए कहा कि यह भंडार उनके लिए बड़ी सुविधा लेकर आया है। अब खेती के महत्वपूर्ण समय में उन्हें खाद और बीज के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा, जिससे उत्पादन में भी वृद्धि की उम्मीद है। ग्राम चिखली में खुले इस नवीन खाद एवं बीज भंडार को क्षेत्र की कृषि व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो आने वाले समय में किसानों की आत्मनिर्भरता और उत्पादन क्षमता को नई दिशा देगा।

अक्षय तृतीया पर माहेश्वरी महिला मंडल ने राहगीरों को बांटा शीतल शरबत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

अक्षय तृतीया के पावन पर्व के शुभ अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल, बालोद द्वारा सामाजिक सेवा का सराहनीय कार्य करते हुए तपती गमएँ में राहगीरों को शीतल शरबत वितरित किया गया। यह सेवा कार्य पुराने बस स्टैंड स्थित शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया।

मंडल की ओर से बताया गया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार वैशाख माह में जल पिलाने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए महिला मंडल द्वारा यह आयोजन किया गया, जिससे राहगीरों को गमएँ से राहत मिल सके। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्षा प्रेमा काबरा, सचिव किरण काबरा, संगीता टुवाणी, उमा मंत्री, संध्या मंत्री, ज्योति मंत्री, प्रीति चांडक, यशोदा चांडक, आशा चांडक, किरण पनपालिया, उषा पनपालिया, लक्ष्मी चांडक, मीणा चांडक, पूजा तापड़िया, प्रीति तापड़िया, घटा टावरी, तारा राठी, रामेश्वरी टावरी, छाया राठी एवं मीणा काबरा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशेष रूप से कमल पनपालिया, शरद अग्रवाल, तरुण बडतिया एवं अमित माधवानी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए सहयोग प्रदान किया। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा इस प्रकार के सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज सेवा की भावना को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

भीषण गर्मी में राहत: राम जानकी सेवा समिति ने शुरू किया शीतल जल प्याऊ घर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुसुमकसा

भीषण गर्मी को देखते हुए राम जानकी सेवा समिति द्वारा शीतल जल प्याऊ घर का शुभारंभ पूर्व जनपद सदस्य संजय बैंस के हाथों किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसके बाद आम लोगों के लिए प्याऊ घर का विधिवत शुभारंभ किया गया।

समिति के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए समिति ने विभिन्न स्थानों पर शीतल जल प्याऊ घर खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा राहगीरों के साथ-साथ जानवरों के लिए भी अलग-अलग स्थानों पर कोटना लगाकर पानी की व्यवस्था की जा रही है, ताकि गर्मी में पशु-पक्षियों को भी राहत मिल सके।

इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य संजय बैंस ने कहा कि राम जानकी सेवा समिति वास्तव में मानव सेवा का पर्याय बन चुकी है। समिति के सदस्य क्षेत्र में सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद बेटी की शादी हो या किसी के इलाज की व्यवस्था—समिति के सदस्य हमेशा आगे बढ़कर सहयोग करते हैं। उन्होंने भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए शीतल जल प्याऊ घर की शुरुआत को सराहनीय पहल बताते हुए समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी।

कार्यक्रम में मनीष जैन, मोती कुचेरिया, मनीष जेठवानी, पंकज जेठवानी, मनीष राजपूत, राजा गुप्ता, साहिल चंद्राकर, पिंटू यादव, शमशेर खान, देवराज जैन, मोनू गुप्ता, रवि यादव, दीपक यादव सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। पानी के केन की सफाई एवं व्यवस्था का कार्य विनोद ठाकुर द्वारा किया गया।

एसटीपी निर्माण के लिए जमीन मांग का ग्रामीणों ने किया विरोध, ग्राम सभा में प्रस्ताव कर लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरूर

- चारागाह भूमि पर एसटीपी प्रस्ताव का विरोध, ग्राम सभा में सर्वसम्मति से निर्णय

नगर पंचायत गुरूर द्वारा ग्राम कन्हारपुरी में एसटीपी निर्माण हेतु जमीन मांग का ग्रामीणो ने विरोध किया है। ग्रामीणो ने ग्राम सभा में प्रस्ताव कर जमीन नही देने का निर्णय लिया है।

नगर पंचायत गुरूर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत एसटीपी निर्माण कार्य हेतु नगर पंचायत की सीमा से लगे ग्राम पंचायत कन्हारपुरी में खसरा नंबर 683/1 में 0.5 हेक्टेयर भूमि की मांग की गई है। कहा जा रहा है कि गुरूर नगर में भूमि उपलब्ध नही होने के कारण ग्राम पंचायत में एसटीपी निर्माण किया जाएगा।

ग्राम पंचायत कन्हारपुरी में इस प्रस्ताव को पहले ही अस्वीकार कर दिया गया है। ग्राम पंचायत की ग्राम सभा में भी ग्रामीणो ने एक मत से निर्णय लिया है कि एसटीपी के लिए नगर पंचायत गुरूर को भूमि नही दी जाए। यदि शासन प्रशासन उसके बाद भी कन्हारपुरी में एसटीपी निर्माण का प्रयास करती है तो ग्रामीण आंदोलन जैसे कदम उठाकर उसका विरोध करेंगे। ग्राम पंचायत सरपंच तेजराम साहू ने कहा ग्रामीणो ने एकमत से निर्णय लेकर एसटीपी निर्माण का विरोध किया है। उक्त भूमि ग्राम में चारागाह व आबादी के लिए आरक्षित है। ग्राम प्रमुख मदन लाल हिरवानी ने कहा ग्रामीण नगर पंचायत को अपनी भूमि देने को तैयार नही है। मांगी गई भूमि चारागाह व आबादी के लिए आरक्षित है। यदि जबरदस्ती भूमि लेने का प्रयास किया जाएगा तो हम आंदोलन भी कर सकते है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

जिला सतनामी समाज की बैठक में समाजिक एकता, शिक्षा और नशामुक्ति पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

जिला सतनामी समाज की बैठक जिला अध्यक्ष संजय बारले की अध्यक्षता में ग्राम खपरी तहसील बालोद में संपन्न हुआ। प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया।

जिसमें जिला सतनामी समाज के नियमावली का पालन करने हेतु विशेष नियम पारित किया गया। नियमों का पालन प्रत्येक सतनामी समाज को करना होगा, जिससे समाज का एकीकरण एकता स्थापित हो सके समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर युवाओं को नशा पान से दूर रखने पर विशेष जोर दिया गया, समाज की मुख्य धारा से किसी भी व्यक्ति को अलग नहीं करने का निर्णय लिया गया है समाज से अलग– रह रहे व्यक्तियों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए विशेष समझाईस दिया गया समस्त तहसील अध्यक्षों को आदेश जारी किया गया कि ग्रामीण, परिक्षेत्र या तहसील स्तर पर किसी प्रकार का कोई भी समस्या का निराकरण तत्काल करने की कार्यवाही किया जावे जिससे समाज के किसी भी व्यक्ति को कोई भी परेशानियों का सामना न करना पड़े।जिला अध्यक्ष ने समाज के विकास तभी संभव होगा जब हमारे ग्रामीण समाज में एकता स्थापित होगा, समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। अभी राष्ट्रीय जनगणना के लिए सभी गांवों में प्रत्येक घर पर पहुंच रहे हैं आप सभी समाजिक जन सही जानकारी देवें, बैठक संचालन संतराम बंजारे जिला सचिव द्वारा किया गया।

समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए तहसील अध्यक्षों को निर्देश

समाधान पर जोर

अध्यक्ष निर्णायक कमेटी धनेश बघेल ने कहा कि जिला स्तर मे कोई लंबित आवेदन नहीं है, किसी भी प्रकार की समस्याओं का समाधान के लिए ग्रामीण, परिक्षेत्रीय, तहसील, जिला स्तर पर क्रमशः आवेदन करें जिला प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण बघेल ने समाज को आर्थिक रुप से मजबूत करने हेतु सहयोग करने हेतु अपील कर समाज की युवतियों को पढ़ाने के साथ युवाओं को भी उच्च शिक्षा देने पर जोर दिया।

ये रहे उपस्थित

बैठक में तहसील अध्यक्ष धनी राम बारले, बालोद यूआर.बराहेन, अर्जुन्दा प.तूलसी बारले, गंगा बाई टंडन जिला उपाध्यक्ष, धन्नू टंडन, जनपद सदस्य निर्मला बंजारे, बीरबल डेहरे, पुरुषोत्तम मारकंडेय, कन्हैया लाल जागड़े, सोमनाथ बारले, विनोद जांगड़े, कमलेश जांगड़े, फिरंता जांगडे, केसरी बाई जागडे, केसिन बाई, माधुरी, भोला राम, भैंया लाल, राम सिंह, बुधभवन, दिलीप कुमार, छन्नू सोनवानी, भोपेश कुमार, प्रवीण महिलांगे, पिनेश, संजय जांगडे, रेखराम बैठक उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

10वीं की परीक्षा में 90.04 प्रतिशत मिले सैय्यद को

दल्लीराजहरा। निर्मला स्कूल के छात्र सैय्यद अहमद ने कक्षा 10वीं की परीक्षा में 90.04 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे दल्लीराजहरा क्षेत्र को गर्व महसूस कराया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें इस लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने सैय्यद अहमद की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

फांसी पर लटके शव का बनाया रील, एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

भिलाई। सार्वजनिक स्थान पर आत्महत्या करने वाले युवक का शव को देख सोशल मीडिया में चलाने के लिए कुछ युवक रील बनाते रहे। लेकिन शव को देख आने जाने वालों ने भी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझी। यह घटना 12 अप्रैल रविवार को सेक्टर 4 सड़क 36 के निवासी अजय प्रजापति के शव का है। अजय ने एक पेड में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली थी। इसे देख ब्लाक कांग्रेस कमेटी तीन अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी ने गंभीरता से लेते हुए एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। उसमें बताया गया कि आजकल के युवा शव को फांसी पर लटका देख इंस्टाग्राम और फेसबुक के लिए रील बनाने में जुट गए थे। पुलिस तक को जानकारी देना जिम्मेदारी नहीं समझा गया। इस तरह के लोगों के खिलाफ पुलिस को सार्थक कदम उठाने की मांग किया। इस दौरान ब्लॉक उपाध्यक्ष ख्वाजा अहमद, आशीष यादव, पार्षद सुरेश वर्मा, हरीश सिंह,मंडल अध्यक्ष अभिषेक अवस्थी, लक्ष्मण सिंह,ब्लॉक महामंत्री धनु मिश्रा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रमाकांत दिशलहरें, आदि नारायण, मेशांक मिश्रा, फतेह सिंह, देवेंद्र उइके, लोकेश, निउभ सिंह आदि मौजूद थे।

निधन

चमारीन बाई

डौंडीलोहारा। समीप के ग्राम बिजोरा निवासी 95 वर्षीय चमारिन बाई चंदेल का निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम बिजोरा मुक्ति धाम में आज किया गायेगा। वे टुमन लाल, सेवाराम, रामसिंह एवं तिलक राम चंदेल की माता थी।

लोकनाथ साहू

बालोद/निकुम। ग्राम भरदाकला निवासी 64 वर्षीय लोकनाथ साहू का निधन हो गया है। वही अंतिम संस्कार गृहग्राम भरदाकला मुक्ति धाम में किया, वह शिशुपाल साहू, पोखन साहू, भूपेंद्र साहू के पिता थे, उसके पुत्रवधु टुकेश्वरी भूपेंद्र साहू वर्तमान में जनपद सदस्य है।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने सिखाए बचाव के पैंतरे

आपदा प्रबंधन के गुर सीख रहे कॉलेज के रोवर-रेंजरः युवा आपदा मित्र शिविर में मिला प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद के रोवर–रेंजर एवं यूनिट लीडर इन दिनों युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं। इस प्रशिक्षण शिविर में एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है।

इस उत्कृष्ट गतिविधि हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. खलखो ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन का यह प्रशिक्षण न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करता है, बल्कि उनमें सेवा भावना और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करता है।वहीं रोवर–रेंजर प्रभारी 'प्रो. डॉ. आरडी. साहू ने भी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है। भविष्य में ये प्रशिक्षित युवा आपदा के समय समाज के लिए महत्वपूर्ण सहयोगी सिद्ध होंगे। यह प्रशिक्षण शिविर न केवल विद्यार्थियों को आपदा से निपटने के लिए सक्षम बना रहा है, बल्कि उन्हें समाज के प्रति सजग, जिम्मेदार एवं सेवा भावी नागरिक बनने की दिशा में भी प्रेरित कर रहा है। शिविर में महाविद्यालय बालोद से यूनिट लीडर प्रोफेसर रीतू पिसदा एवं 17 रोवर रेंजर की सक्रिय भागीदारी है इस आपदा मित्र कार्यक्रम में सम्मिलित होने और अपनी सहभागिता देने हेतु भारत स्काउट गाइड बालोद जिला डीओसी प्रेमलता चंद्राकर एवं नेम सिंह साहू का मार्गदर्शन रहा एवं महाविद्यालय के स्टाफ उपस्थित थे।

आपदा के समय समाज की मदद के लिए तैयार हो रहे युवा

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर

विशेष रूप से प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। चोट लगने की स्थिति में हाथ, पैर एवं मस्तक पर सही तरीके से पट्टी बांधने की कला सिखाई गई, सीपीआर कैसे देना है जब किसी को हार्ट अटैकआ जाए ताकि दुर्घटना के समय तत्काल सहायता प्रदान की जा सके। अग्नि जनितघटनाओं में कैसे सुरक्षित लोगो कि जान बचाये जा सकते है अभ्यास कराया जा रहा है।

बचाव तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण

शिविर के दौरान विशेष रूप से जल सुरक्षा एवं बचाव पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को तैराकी सिखाई गई, जिससे वे आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने के साथ–साथ अन्य लोगों की सहायता करने में सक्षम बन सकें। इसके साथ ही, पानी में रेस्क्यू की व्यावहारिक तकनीकों का अभ्यास कराया गया, जिसमें डूबते व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालना, बिना स्वयं को जोखिम में डाले सहायता प्रदान करना, रेस्क्यू के दौरान उपयोग होने वाली तकनीकों का सही प्रयोग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया गया। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियां भी सिखाई गईं प्रशिक्षकों ने जल दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों पर भी विशेष जोर दिया, जैसे बिना प्रशिक्षण के गहरे पानी में न जाना, अकेले तैराकी न करना, लाइफ जैकेट जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना, घबराहट की स्थिति में शांत रहकर निर्णय लेना सिखाया गया।

सीबीएसई 10वीं में डीएवी विद्यालय का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दल्लीराजहरा

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में स्थानीय डीएवी विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नगर का नाम रोशन किया है। इस वर्ष विद्यालय के कुल 104 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त कर शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया।

परिणामों में सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि दो छात्राओं शुभोश्री आचार्यजी एवं सुमन वर्मा की रही, जिन्होंने 98 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन का परचम लहराया। उनकी इस सफलता ने अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है।

विद्यालय के कुल 14 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्टता का परिचय दिया। इनमें शुभोश्री आचार्यजी (98%), सुमन वर्मा (98%), जिज्ञासा बारले (96.8%), साहिल कुमार साहु (94.2%), संस्कार साहु (93.6%), अस्मित गनवीर (93.4%), रूचिका कोसमार्या (92.8%), वाडापल्ली प्रज्जवल (92.4%), आयुषी सिंह (91.2%), लिनेश

कुमार (90.8%), रूचि देवांगन (90.6%), सुयश जैन (90.4%), दीपांशी पटनायक (90.4%) एवं अभिषेक कार्तिक (90%) शामिल हैं।

इसके अलावा 41 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक तथा 54 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर विद्यालय की समग्र शैक्षणिक गुणवत्ता को और मजबूत किया है। यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमेन आर. बी. गहरवार एवं क्षेत्रीय निदेशक प्रशांत कुमार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य जी. व्ही. राजशेखर राव ने कहा कि विद्यार्थियों ने निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता अर्जित की है।

आदिवासी समाज ने शुरू किया सामुदायिक भवन निर्माण, स्वावलंबन की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

जिले के गुण्डरदेही ब्लॉक के ग्राम मटिया (ह) में विकास और सामाजिक एकजुटता की एक प्रेरक तस्वीर सामने आई है। यहाँ के आदिवासी समाज ने सरकारी मदद का इंतजार करने के बजाय अपनी मेहनत और स्वयं के संचित कोष से सामुदायिक भवन निर्माण का बीड़ा उठाया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र चंद्राकर के करकमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र चंद्राकर भावुक और उत्साहित नजर आए। उन्होंने समाज के इस निर्णय को स्वावलंबन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि इस गांव में आदिवासी समाज के कुल 30 परिवार निवास करते हैं। लेकिन आज इस पवित्र कार्य और आपके प्रेम को देखते हुए मैं यह घोषणा करता हूं कि आज से आप यहां 30 नहीं, बल्कि 31 परिवार मानकर चलिए। इस 31वें परिवार के सदस्य के रूप में मैं सदैव आपके सुख–दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। चंद्राकर ने इस दौरान भवन निर्माण के लिए अपनी ओर से स्वेच्छा से अंशदान भी दिया और भविष्य में भी हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। चंद्राकर ने केंद्र सरकार द्वारा संसद में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज का विकास तब तक अधूरा है जब तक हमारी माताएं और बहनें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल न हों। लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सांसदों ने इस विधेयक को पारित होने नहीं दिया जिससे उनकी महिला विरोधी मानसिकता उजागर हुई। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम से विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलता लेकिन कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिलाओं के स्वालंबन हेतु लाए गए विधेयक को पारित होने नहीं दिया। चंद्राकर ने कहा गाँव के इस भवन निर्माण में भी महिलाओं का योगदान वंदनीय है। आदिवासी समाज के प्रमुखों ने बताया कि सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों और मांगलिक कार्यों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त स्थान की कमी महसूस हो रही थी। समाज के सभी परिवारों ने मिलकर तय किया कि वे आपस में चंदा इकट्ठा कर इस भवन का निर्माण करेंगे और बिना किसी सरकारी अनुदान की प्रतीक्षा किए कार्य प्रारंभ भी हो गया। पुष्पेंद्र चंद्राकर द्वारा आर्थिक समर्थन किया गया जिसका गांव के अन्य वर्गों ने भी इस पहल की प्रशंसा की।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर आदिवासी समाज के वरिष्ठ सदस्यों के साथ ही अश्वनी कटहरे जनपद सदस्य,दशमत महेंद्र रात्रे सरपंच, उपसरपंच खेमराज सिन्हा, पूर्व सरपंच देवशरण यादव, अनिल डहरे, राकेश डहरे, पंच शंकुन साहू, कांशी ठाकुर, अध्यक्ष आदिवासी समाज दिनेश ठाकुर, मेघनाथ ठाकुर, डॉ राजेंद्र प्रसाद साहू, खिलू निर्मलकर, वायके. चंद्राकर व ग्रामीण उपस्थित थे।

गौ संरक्षण एवं गौ उत्पाद निर्माण पर हुआ प्रशिक्षण व कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरूर

गौ संरक्षण एवं गौ उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षण व कार्यशाला सम्पन्न हुआ। छ.ग.राज्य गौ सेवा आयोग जिला व विकासखंड स्तरीय गौधाम समिति बालोद द्वारा एक दिवसीय गौ संरक्षण संवर्धन, गौ उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौ माता के चलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इसमें धूप बत्ती, दंत मंजन, जीवामृत, बीजामृत, मालिश तैल, गौमूत्र अर्क सहित अन्य गौ उत्पाद का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष यादव राम साहू थे। अध्यक्षता गौ सेवा समिति जिला अध्यक्ष योगेश्वर यादव ने किया। विशेष अतिथि भाजपा विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक रामसाय साहू, भाजपा मंडल महामंत्री मेहत्तर नेताम थे। अध्यक्ष जिला स्तरीय गौधाम समिति बालोद योगेश्वर यादव, जिला सदस्य गौ उत्पाद निर्माण विनोद कुमार साहू थे। कार्यशाला का संचालन अध्यक्ष विकासखंड स्तरीय गौधाम समिति वासुदेव नागेश ने किया। शिविर मे प्रशिक्षण का महत्व, गौ उत्पाद विक्रय कि जानकारी दिया गया।

यादव राम साहू ने कहा पहले हम गाय की पूजा करते थे। सम्मान का भाव था। आज गाय गरू हो गई है। घरों से निकाली जा रही है। यह आने वाली पीढ़ी के लिए खतरनाक है। हम गाय को घरो से दूर कर अपनी आने वाली पीढ़ी को रोगी व कमजोर कर रहे है। आने वाली पीढ़ी को बचाना है तो गाय को घरो में पालना होगा। पुरानी परंपराओ, जीवन शैली को अपनाना होगा।

पेवर ब्लॉक लगाने महापौर शशि ने किया भूमिपूजन

भिलाई। रिसाली निगम महापौर शशि सिन्हा की निधि से वार्ड 29 लक्ष्मी नगर स्थित सतनाम भवन परिसर में पेवर ब्लॉक लगाया जाएगा। इस कार्य के महापौर ने अपने निधि से 1 लाख 50 हजार की स्वीकृत की है। उन्होंने इस कार्य के लिए गुरूवार को भूमिपूजन किया। महापौर शशि सिन्हा ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से कहा कि प्राथमिकता के आधार पर वे कार्य स्वीकृत कर रही है और विकास कार्य को मूर्त रूप देने भूमिपूजन भी साथ ही साथ कर रही है।